

Padma Shri



SMT. BOMBAY JAYASHRI RAMNATH

Smt. Bombay Jayashri Ramnath is a renowned Indian vocalist, musician and composer. She is recognized worldwide by her impressive body of work and her ease, proficiency and mastery of various genres of music.

2. Born on 2nd December, 1964 in Kolkata to Smt. Seethalakshmy Subramaniam and Sri N. N. Subramaniam, both Carnatic musicians themselves and her first teachers of the art form, Smt. Ramnath was initiated into formal and intensive training with Vidushi T R Balamani in Mumbai. Her training peaked under the exacting tutelage of the legendary violin maestro, Sri Lalgudi Jayaraman. Propelled by a keen interest in learning various genres, she had formal training in Hindustani Music under Pandit Mahavir Jaipurwale and Pandit Ajay Pohankar. She has pursued music academically too, earning a diploma in Indian music from Gandharva Mahavidyalaya, New Delhi. She is a Veena player, trained under Vidwan G N Dhandapani Iyer.

3. Smt. Ramnath is one of the most sought after performers of the country for decades and her concerts reflect her wide exposure to and expertise in various genres of music, with flavours of Hindustani music, ghazals, and her Carnatic roots shining through in each. She is one of the few Indian musicians to have touched these many genres, and more impressively, rarely paralleled in her mastery of them. From the Rashtrapati Bhavan to the Palace of Mysore, she has performed at a range of distinguished venues and festivals across the country, further adding feathers to her cap with international performances at the Lincoln Centre (USA), the Kennedy Centre (USA), Queen Elizabeth Hall (UK), Saddlers Wells (UK), Esplanade Theatre (Singapore), The Royal Opera House (Ireland), Roy Thomson Hall (Canada), the Carnegie Hall (USA), and the Sydney Opera House (Australia), venues across China, to name a few. She holds the distinction of being the first Carnatic musician to perform at the Sydney Opera House and is only the second Indian, after Vidushi M S Subbulakshmi, to perform at the Carnegie Hall.

4. Smt. Ramnath is also well known for her collaborations with artistes across disciplines and cultures, and the chart-topping results that these have produced. Her collaborations have taken Indian music into several opera houses across the globe. Though her work in films has been limited, she has sung chartbusters in several languages. A nomination for the Academy Award for Best Original Song, for her work in Ang Lee's 'Life of Pi' has been a highpoint in her career. Not one to rest on her laurels, she has also donned the hat of a music composer for several dance dramas and albums. Passionate about giving back to the society, she founded 'Ilitham' trust, that uses the therapeutic value of music to work extensively with children in the Autism Spectrum, while also working with many other institutions that do the same. She is also a keen Guru, imparting knowledge of music to many dedicated students of all backgrounds, most prominently at the Swami Dayananda Saraswati School (Manjakkudi).

5. Smt. Ramnath is the recipient of numerous awards and honours including the 'Kalaimamani Virudhu'; the State Film Award for Best Female Playback Singer by the Government of Tamil Nadu; the 'Mangalampalli Balamurali Krishna Award' by the Government of Andhra Pradesh; the 'Academy of Music Chowdaiah' Award by the Chowdaiah Memorial Hall, Bangalore; the 'Sangeeta Choodamani Award' by the Sri Krishna Gana Sabha among others. For her work in films, she has been awarded the Vijay Award for Best Female Playback Singer — Tamil; Filmfare Award for Best Female Playback Singer — Tamil and Asianet Award for the Best Female Playback Singer - Malayalam.



श्रीमती बम्बई जयश्री रामनाथ

श्रीमती बम्बई जयश्री रामनाथ एक प्रख्यात भारतीय गायिका, संगीतकार और संगीत रचनाकार हैं। वह संगीत की विभिन्न विधाओं में अपनी शानदार शैली, सहजता, कौशल और प्रवीणता की वजह से दुनिया भर में विख्यात हैं।

2. 2 दिसंबर, 1964 को कोलकाता में कर्नाटक संगीतज्ञ दम्पति श्रीमती सीता लक्ष्मी सुब्रमणियम और श्री एन. एन. सुब्रमणियम के घर जन्मी श्रीमती रामनाथ के पहले संगीत शिक्षक उनके माता-पिता थे और बाद में, उन्होंने मुम्बई की विदुषी टी. आर. बालामणि से संगीत की औपचारिक और गहन शिक्षा ग्रहण की। उनकी शिक्षा महान वायलिन वादक श्री लालगुडी जयरामन के मार्ग दर्शन में और ऊंचाई पर पहुंची। संगीत की विभिन्न विधाओं को सीखने में गहरी रुचि के चलते उन्होंने पंडित महावीर जयपुरवाले और पंडित अजय पोहनकर से हिन्दुस्तानी संगीत की औपचारिक शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने गंधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली से हिन्दुस्तानी संगीत में डिप्लोमा हासिल करके संगीत को अकादमिक रूप से भी ग्रहण किया है। वह वीणावादक हैं और उन्होंने इसकी शिक्षा विद्वान जी. एन. धंदापानी अय्यर से प्राप्त की है।

3. श्रीमती रामनाथ दशकों से देश की सबसे लोकप्रिय कलाकारों में से एक रही हैं और उनकी प्रस्तुतियों में संगीत की विभिन्न विधाओं की गहरी समझ और विशेषज्ञता देखने को मिलती है। उनके संगीत में हिन्दुस्तानी संगीत और गजल की महक बसी होती है और मूल कर्नाटक संगीत की छटा बिखरी होती है। वह उन चुनिंदा भारतीय संगीतकारों में शामिल हैं जिन्होंने अपने संगीत में कई शैलियों को प्रभावी ढंग से समाहित किया है, और शायद ही कभी उनके जैसी महारत की कोई और मिसाल मौजूद हो। राष्ट्रपति भवन से लेकर मैसूर के महल तक, उन्होंने देश भर के अनेक प्रतिष्ठित स्थानों और समारोह में प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, लिंकन सेंटर (यूएसए), कैनेडी सेंटर (यूएसए), क्वीन एलिजाबेथ हॉल (यूके), सैडलर्स वेल्स (यूके), एस्प्लेनेड थिएटर (सिंगापुर), रॉयल ओपेरा हाउस (आयरलैंड), रॉय थॉमसन हॉल (कनाडा), कार्नेगी हॉल (यूएसए) और सिडनी ओपेरा हाउस (ऑस्ट्रेलिया), चीन में कुछ स्थानों पर प्रस्तुति उनकी विशेष उपलब्धियां रही हैं। उन्हें सिडनी ओपेरा हाउस में संगीत प्रदर्शन करने वाली पहली कर्नाटक संगीतकार होने का गौरव प्राप्त है और कार्नेगी हॉल में विदुषी एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी के बाद प्रदर्शन करने वाली वह दूसरी भारतीय हैं।

4. श्रीमती रामनाथ को विभिन्न विधाओं और संस्कृतियों के कलाकारों के साथ संगत करने और संगीत लोकप्रियता सूची में उच्च स्थान पर बने रहने के लिए भी बखूबी जाना जाता है। उनके प्रयासों से भारतीय संगीत दुनिया भर के कई ओपेरा हाउसों में पहुंचा है। हालांकि फिल्मों में उनका काम सीमित रहा है लेकिन उन्होंने कई भाषाओं में बेहद लोकप्रिय गीत गाए हैं। आंग ली की 'लाइफ ऑफ पाई' में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकन, उनके संगीत जीवन का एक शिखर बिंदु रहा है। वह अपनी उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर नहीं बैठती हैं बल्कि उन्होंने अनेक नृत्य नाटक और एल्बम के लिए भी संगीत दिया है। समाज के प्रति सेवा भावना से उन्होंने 'इलिथम' ट्रस्ट की स्थापना की है, जो संगीत के जरिए ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों की चिकित्सा करता है। वह इस प्रकार के अन्य चिकित्सा संस्थानों के साथ भी कार्य करती हैं। वह एक उत्साही गुरु भी हैं, और अधिकतर स्वामी दयानंद सरस्वती स्कूल (मंजाकुडी) में संगीत के प्रति समर्पित सभी वर्गों के छात्रों को संगीत का ज्ञान बांटती हैं।

5. श्रीमती रामनाथ को कई पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं जिनमें तमिलनाडु सरकार का सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका का राज्य फिल्म पुरस्कार 'कलाइमामणि विरुधु'; आंध्र प्रदेश सरकार का 'मंगलमपल्ली बालमुरली कृष्ण पुरस्कार'; चौड़य्या मेमोरियल हॉल, बेंगलोर का 'एकेडमी ऑफ म्यूजिक चौड़य्या' पुरस्कार; श्रीकृष्ण गण सभा का 'संगीत चूड़ामणि पुरस्कार' आदि शामिल हैं। फिल्मों में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए, उन्हें तमिल की सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए विजय पुरस्कार; तमिल की सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार और मलयालम की सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए एशियानेट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।